भारत सरकार

आयुष मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 4719

28 मार्च, 2025 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

टेलीमेडिसिन सेवाओं को बढ़ावा देना

4719. श्री धवल लक्ष्मणभाई पटेल:

क्या आयुष मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) सरकार द्वारा आयुष उपचार हेतु विशेष रूप से ग्रामीण एवं दूरदराज के क्षेत्रों में टेलीमेडिसिन सेवाओं को बढ़ावा देने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं;

(ख) विगत दो वर्षों के दौरान आयुष ई-प्लेटफॉर्म के माध्यम से टेली-परामर्श सेवाओं का लाभ उठाने वाले लोगों की संख्या कितनी है; और

(ग) आयुष को भारत की स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली के साथ एकीकृत करने में कृत्रिम बुद्धिमत्ता और डिजिटल स्वास्थ्य रिकॉर्ड की क्या भूमिका है?

उत्तर

आयुष मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)

(श्री प्रतापराव जाधव)

(क): राष्ट्रीय आयुष मिशन (एनएएम) की केंद्रीय प्रायोजित योजना के तहत, आयुष मंत्रालय ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों सहित पूरे भारत में आयुष उपचार के लिए टेली-मेडिसिन सेवाएं प्रदान करने के लिए राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों से प्राप्त प्रस्तावों के आधार पर वित्तीय अनुदान के माध्यम से राज्य/संघ राज्य क्षेत्रों की सरकारों के प्रयासों का समर्थन कर रहा है।

(ख): जन स्वास्थ्य राज्य का विषय है, इसलिए टेली-परामर्श सेवाओं सहित कार्यान्वयन संबंधित राज्य/संघ राज्य सरकारों के अधिकार क्षेत्र में आता है। तदनुसार, आयुष ई-प्लेटफ़ॉर्म के माध्यम से टेली-परामर्श सेवाओं का लाभ उठाने वाले लोगों की संख्या संबंधी आंकड़ों का रखरखाव आयुष मंत्रालय द्वारा नहीं किया जाता है।

(ग): कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और डिजिटल स्वास्थ्य रिकॉर्ड आयुष को भारत की स्वास्थ्य सेवा प्रणाली के साथ एकीकृत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। एआई साक्ष्य-आधारित निर्णय लेने, पूर्वानुमान विश्लेषण और व्यक्तिगत उपचार दृष्टिकोण को सक्षम बनाता है, जिससे भारत की स्वास्थ्य सेवा पद्धति में अधिक स्वीकृति को बढ़ावा मिलता है। इस प्रक्रिया में डिजिटल स्वास्थ्य रिकॉर्ड आवश्यक हैं, जो आयुष और अन्य स्वास्थ्य सेवा पद्धतियों में निर्बाध अंतर-संचालन, मानकीकृत डेटा विनिमय और कुशल रोगी प्रबंधन सुनिश्चित करते हैं। यह एकीकरण समग्र और एकीकृत स्वास्थ्य सेवा समाधान प्रदान करने में पहुँच, देखभाल समन्वय और समग्र दक्षता को बढ़ाता है।

*****